विषय : सोशियल मीडिया खतरा है क्या ?

हमारी दुनिया आज पल-पल में बदल रही है। हर दिन कुछ नया खास विषय होता रहता है। वो विषय कभी अच्छा होगा कभी बुरा। वो बात कहाँ भी हो चाहे दुनिया के किसी कोने में हो, वो सब हमारे घर में या कहीं भी बैठकर जान सकता है। यह संभव होता है सोशियल मीडिय के कारण।

आज सोशियल मीडिय इतनी महत्वपूरण है ताकी आज के लोग का बिना इस सोशियल मीडिय से जी नहीं सकता।

वाटसप्प, फेसबुक, इनस्टग्राम, युट्यूब, हला जैसे ~~रि~~ सोशियल मीडिय से लोग बाहर आती ही नही। अगर हाथ में एक फोन है जिस में ये सब मिलता है, फिर हमारी दुनिया हि वो फोन है।

हम लोग इन सब में इतनी गहरी हो गई है क्योंकि, इन में सब मिलता है, जो हमको चाहिए। सिनिम, गानों, सिरियल, कारटून, समाचार सब एक ही एक ~~कोमन~~ फोन में हमको दिखने मिलता है।

कुछ साल ~~क~~ पहले सिनिम पूरे परिवार के सात देखने जाना हमारे सबसे खास बात थी। पर आज वो बात कम हो रहा

रहा है, क्योंकि एक सिनिमा जब प्रकाशन को आता है उसके एक दिन के बात वो सब फोन में 'तियट्टर प्रिंट' या 'कोपी' के रूप में आता है। इसके कारण न किसी को तियट्टर में जाने का ज़रूरत न अतिक पैसे ख़र्च करने का ज़रूरत। ये कुछ मेरा को अच्छा है और कुछ मेरा को बुरा भी पाता है।

इसके अच्छे बात यह है की ज़्याता पैसा न खिच करके हमको सिनमा देख सकता है। इसके बुरा बात यह है की सिनमा वालो को नष्ट होता है और सबसे पहले घर का खुशी पूरी तरह से मिट जाता है। क्योंकि पूरे

परिवार एक साथ जाने में जो खुशि मिलता है वो घर में अपने - अपने फोन में देखने में नहीं मिलता है।

आज के लोग अनावश्य से ऐसे में सोशल मीडिया में डूबा हुआ है ताकी अपने परिवार वालों से या मित्रों से बात-चित करने का समय उनको नहीं है। सब सभी समय में वाटसप 'फेसबुक में चाट करते रहते है।

एक कहना है "नाट ओट्टुबोल नट्टुवे ओटनम"। इसका अर्थ है, जब हमारा लोग बहुत आगे चलता है, हम भी उसके साथ चलना चाहिये।

ये बात सही है पर एक बात मन में रखना बहुत ज़रूरी है जब हम आगे चलता है तब सही और अच्छे रास्ते से चलना चाहिए।

सोशियल मीडिया हम को बहुत उपकार ~~प्रत~~ है। वर्षे पहले अन्य देश में रहने वाले हमारे परिवार वाले ~~इस~~ को अगर ~~कु~~ कुछ खबर भेजना है तो चिट्ठया ~~था~~ भेजना था पर वो खबर अगर बहुत ज़रूरा है वो वहाँ मिलने में समय लेता है। पर अब ये कार्य बहुत आसान हो गया है की दुनिया के किसी कोने में भी हो जो बात होता है वो सब

उस पल ही उनको भेज सकता है। सिर्फ खबर ही नहीं उसकी तस्वीरों या वो बात हम वेब में दिखा सकता है।

बच्चों के पढ़ाई केलिए आप के रूप में या युद्ध चनल के रूप में, मनोरंजन केलिए, रास्ता खोजने केलिए, समाचार केलिए, ऐसे कई-कई बात केलिए हम इनको उपयोग करता है। पर जब ये उपयोग बहुत होता है तब ये विनाशकारी बन जाता है

एक कहना है 'अमृतुम अतिकसायाल विषम'। इसका मतलब है ये है सोशियल मीडिया हमारे लिये सच्च में

एक वरदान है, पर ये सब के लिए खतरा तब बनता है जब हम इसका उपयोग सही तरह से न करता है।

यह विषय को सच्य करने वाले हसारों खबर हम दिन भर सुन रहा है।

कुछ लोक फेसबुक में नकली अकौंट बनाकर लोगों को उल्लु बनाकर उनमें से पैसा, खबरें आदि लेकर भाग जाता है। स्त्रियों के बुरी चित्र लेकर उनको मानसिक और शारीरीक से पीडित करता है। अकौंड हाक करकर लोगों का खबरें लेता है।

कुछ लोग अपने चित्र सोशियल मीडिया में पोस्ट करने केलिए अपने जान पर खेलता है और कुछ लोगों का जान जाता भी है। वोटसप ग्रूपों में नकली संदेश भेजता है।

ऐसे - ऐसे जाता है सोशियल मीडिया की बुरी बातों। पर हमें ये बातें कम कर सकता है अगर ~~ह~~ हम सही रास्ते और अच्छायी केलिए ~~हम~~ ऐसे सोशियल मीडिय उपयोग करता है तो।

इसलिए मेरे मत में सोशियल मीडिय खतरा नहीं है। सबको ~~एक~~ अच्छा और बुरी

वश होना होता है। ये खतरा बनता है जब हम ये खतरनाक से उपयोग करता है। हमको इसका दूसरों की भलाई और सब की खुशी के लिए करना चाहिये। इसका सिर्फ अच्छी तरफ का चुन करके उपयोग करना। इस तरह से ये खतरा को हम मिटा सकता है